B-4
L-9

दिनांक
30/01/24

जमींदारी बंदोबस्त

क्यों लागू किया गया

सरकारी कारण :-

- सरकार का यह दृष्टिकोण था कि भू राजस्व स्थिर होने से कृषि मे निवेश बढ़ेगा।
- इससे उत्पादन मे वृद्धि होगी और किसानों की आय भी बढ़ेगी।
- वास्तव मे सरकार की यह मंशा होती तो जमींदारों को किसानो से कितनी भू-राजस्व दी जाए यह भी स्थायी कर दी लेकिन ऐसा नही किया।

वास्तविक कारण :-

- वास्तव मे स्थायी बंदोबस्त का एक मुख्य उद्देश्य था आय की स्थिरता एवं तात्कालिक तौर पर भू राजस्व मे वृद्धि।
- पैसे की आवश्यकता विभिन्न कारणो से भी जैसे- भारतीय उत्पादो को खरीदने के लिए, भारत मे प्रशासनिक खर्चों के लिए, साम्राज्य विस्तार के लिए आदि।
- इसके अतिरिक्त अंग्रेजो को जमींदारो के रूप मे एक ऐसे राजनीतिक सहयोगी की आवश्यकता थी जो प्रत्येक स्थिति मे अंग्रेजों का साथ दे।

प्रभाव :

सरकार पर –

- जिन वास्तविक उद्देश्यों को ध्यान मे रख कर सरकार ने इस बंदोबस्त को लागू किया उसमे

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

बहुत हद तक सरकार को सफलता मिली।
जैसे- आय की स्थिरता, राजनीतिक सहयोगी के रूप में जमींदार इत्यादि।

नकारात्मक :-

- भू राजस्व स्थिर किए जाने के कारण भविष्य में राजस्व मे वृद्धि की संभावना नही रही।
- किसानो का बड़े पैमाने पर शोषण हुआ किसानो मे असंतोष बना रहा आगे चलकर इन सब के लिए ब्रिटिश सरकार को उत्तरदायी माना गया।
- भू राजस्व वसूली की कठोर सर्तों के कारण प्रारम्भ के 15-20 वर्षों मे बड़ी संख्या मे किसानो के अधिकार छीन लिए गए।
- इससे न केवल उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ बल्कि उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुँची।

सकारात्मक -

हालाँकि यह बंदोबस्त जमींदारो के लिए अधिक फायदेमंद था। जमीदारो के आय मे वृद्धि हुई और अंग्रेजो से नजदीकी सम्बन्ध के कारण उनका राजनीतिक महत्व भी बढ़ा

अनुपस्थित जमींदार :-

ये वो जमींदार थे जो उपस्थित नही होते थे।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
© KHANSIR ©

किसानो पर प्रभाव :

नकारात्मक :-

- भूमि पर मालिकाना हक समाप्त हो गया।
- किसानों की सामाजिक प्रतिष्ठा पर चोट।
- उत्पादन की स्वतंत्रता छीन गई।
- किसानो को जमींदारो की दया पर छोड़ा गया।
- जमींदारो के द्वारा अधिक से अधिक भू राजस्व वसूली गई।
- सामुदायिक संपत्ति के उपयोग की स्वतंत्रता समाप्त।
- किसानो पर आर्थिक दबाव पड़ा तथा उन्हे कर्ज लेने के लिए वाध्य होना पड़ा।
- भू राजस्व वसूली की कठोर शर्तें, प्राकृतिक आपदा मे राहत न देने संबंधी प्रावधान के कारण।
- किसानो को कर्ज के जाल मे उलझना पड़ा।
- प्रशासनिक मशीनरी एवं न्यायपालिका पर भी जमींदारो एवं साहूकारो की पकड़ ज्यादा थी वहाँ से भी किसानो को राहत मिलने की उम्मीद नही थी।
- इस बंदोबस्त के अन्तर्गत भूमिहीन किसानो की संख्या बढ़ी तथा जमींदारो एवं किसानों के बीच बिचौलियों की संख्या भी बढ़ी है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

रैयतवाड़ी बंदोबस्त

क्षेत्र :- मद्रास प्रांत, बाम्बे प्रांत, असाम के कुछ भागो मे भी।

- सर्वप्रथम 1792 मे कैप्टन रीड & मुनरो के द्वारा बारह महल क्षेत्र मे प्रायोगिक तौर पर इसे लागू किया गया।
- 1820 के दशक मे बाम्बे प्रांत मे एलफिंसटन एवं मद्रास प्रांत मे थामस मुनरो के द्वारा इसे लागू किया गया।

क्यों लागू किया :-

सरकारी तर्क :-

- सरकार का यह दृष्टिकोण था कि इस क्षेत्र मे जमींदार नही हैं और टीपू सुलतान ने भी किसानो से प्रत्यक्ष भू राजस्व वसूला था।
- सरकार का यह तर्क आंशिक तौर पर सही है क्योंकि इन क्षेत्रो मे भी जमींदार थे।

वास्तविक कारण :-

- ब्रिटिश औद्योगिक क्रान्ति के कारण भारत को बाजार के रूप मे स्थापित करने की योजना बनाई गई और इसके लिए आवश्यक था कि भारतीयो के पास कुछ क्रय क्षमता हो।
- सरकार आय मे वृद्धि की संभावना को बनाए रखना चाहती थी
- जोकि जमींदारी बंदोबस्त मे नही हो रहा था।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

• ब्रिटेन मे उपयोगितावादी विचारधारा का प्रभाव बढ़ता जा रहा था और इसका दृष्टिकोण जमींदार विरोधी था।

विशेषताएं :-

• रैयतो को भूमि का मालिक माना गया हालाँकि मालिक मानने से पूर्व जाँच प्रताल की गई कि किसके पास कितनी भूमि है।
• प्राकृतिक आपदा के समय राहत का प्रावधान था।
• भू-राजस्व के निर्धारण के लिए सिद्धांत के रूप मे एक बेहतर पद्धति अपनाई गई।
• खर्च को निकालने के पश्चात जो भी बचत होगी उसका 50% से अधिक सरकार रही लेगी।
• 30 वर्षो के अन्तराल पर सरकार भू-राजस्व का पुनः निर्धारण करेगी।

प्रभाव :-

सकारात्मक :-

• जिन वास्तविक उद्देश्यों को ध्यान मे रख कर सरकार ने इसे लागू किया उसमे एक बड़ी सीमा तक सरकार को सफलता मिली।

जैसे- आय मे वृद्धि, बाजार को ध्यान में रखते हुए उत्पादि

नकारात्मक :

• प्रशासनिक खर्चो मे वृद्धि हुई क्योंकि बंदोबस्त को लागू करने एवं राजस्व वसूलने के लिए बड़ी संख्या मे कर्मचारियों की आवश्यकता हुई।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

रैयतो पर प्रभाव :

सकारात्मक :-

• बंदोबस्त के कारण अपेक्षाकृत बड़े एवं मध्यम श्रेणी के किसानों को फायदा हुआ क्योंकि राजस्व देने के पश्चात भी इतना बच जाता था जिसका कृषि एवं अन्य कार्मों मे निवेश कर सकते थे

नकारात्मक :-

• छोटे किसानो पर करो का बोझ अधिक था इनकी दशा जमींदारी बंदोबस्त के किसानो के जैसी थी।
जैसे- आय मे गिरावट, भूमि को बेचना पड़ा कर्ज लेना पड़ा आदि।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR